प्रतिदर्श परीक्षा प्रश्न–पत्र अंक योजना (2023–24)

विषय – हिन्दी (आधार)

कक्षा – बारहवीं

विषय कोड : 502 **प्रश्न–पत्र CODE – A**

निर्धारित समय : 3 घण्टे **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझाावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अक दिए जाएँ।

4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	**(i)**	(घ) पीड़ा पूर्ण	1
	(ii)	(ख) मशीनों द्वारा जन साधारण में बेरोज़गारी बढ़ाने के कारण	1
	(iii)	(क) आर्थिक संपदा का अनुचित वितरण	1
	(iv)	(ग) मानव श्रम से ज्यादा मशीनों को महत्त्व मिलने के कारण	1
	(v)	(क) केवल कथन। सही है।	1
2	**(i)**	(ग) पूरी गृहस्थी की ज़िम्मेदारी	1
	(ii)	(क) कामकाजी महिलाओं की स्थिति का वर्णन	1
	(iii)	(घ) पति को अपनी ही आवाज़ व्यंग्यपूर्ण लगती है।	1
	(iv)	(ग) घर का कौन-सा समान कहाँ रखा है?	1
	(v)	(ख) वह रसोईघर में चाय बनाने को तैयार है।	
		अथवा	
	(i)	(घ) अपनों से बिछड़ने की विवशता	1
	(ii)	(ग) अपने अकेलेपन की चिन्ता	1
	(iii)		1

Downloaded from cclchapter.com

	(iv) **(v)**	(ख) माँ की आँखों से कभी भी आँसू गिर सकते हैं। (क) शहरी परिवेश में माँ को भूल जाना। (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	1 1
3	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(घ) चमन की बहार (ख) भाषा की सहजता (घ) साँझ की श्वेत काया (क) सुख– दुखः की (ख) 1– (ii) , 2–(iii) , 3– (i)	**1** **1** **1** **1** **1**
4	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(ख) भक्तिन की घर–संपत्ति को हथियाने का (क) घर की आवश्यकतानुसार वस्तुएं खरीदने वाला (घ) मलेरिया– हैजे की बीमारी से (ग) (क) और (ख) दोनों (ग) 1– (iii) , 2–(i) , 3 –(ii)	1 1 1 1 1
5	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(ख) अपने घर वालों के उन्हें पसंद न करने के कारण (घ) उपरोक्त सभी (क) भाव अधिक लेने के लिए (ग) प्रत्येक घर की अपनी अलग वास्तुशैली है। (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	**1** **1** **1** **1** **1**
6	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(ग) एंकर पैकेज (घ) बीट रिपोर्टिंग (घ) फ़ीचर में शब्दों की एक निश्चित सीमा होती है। (ख) 1–(ii) , 2–(iv) , 3–(i) , 4–(iii) (ख) उल्टा पिरामिड शैली	**1** **1** **1** **1** **1**
7	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(घ) उल्लास , संगम , सम्भावना (ख) 1 –(iii) , 2–(iv) , 3– (i) , 4– (ii) (ग) कर्मधारय (ख) मुहावरे संबंधी दोष (क) वह दस आम लेकर आया।	**1** **1** **1** **1**
8	**(i)** **(ii)**	(ग) सनातन धर्म (ख) हेमू का जन्म हरियाणा राज्य के खरक गांव में हुआ।	**1** **1** **1**

Downloaded from cclchapter.com

	(iii) **(iv)** **(v)**	(क) आपका धन्यवाद (ख) 1917 में (ख) (1) –(ii) , (2) –(iii) , (3) –(iv) , (4) –(i)	**1** **1**
		खण्ड – ब **वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर**	
9		**प्रसंग व संदर्भ** – कविता– आत्म परिचय , कवि–हरिवंशराय वच्चन **व्याख्या**– कवि के हृदय की पीड़ा का चित्रण, कवि की वाणी शीतल परंतु उसमें विरहाग्नि का होना। प्रेम को खंडहर बताकर अपनी निराशा को वयक्त किया है। **काव्य–सौन्दर्य** – वियोग–श्रृंगार , प्रतीकात्मक शब्दावली , अनुप्रास व स्वर मैत्री अलंकार, माधुर्य गुण व मुक्त छंद आदि। **अथवा**	1 3 1
	(i) **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ,कविता– बादल राग क्रान्ति का प्रभाव हमेशा शोषित वर्ग पर सकारातमक व बुराई रूपी शोषक वर्ग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। **पंक** समाज के शोषित वर्ग का व **अट्टालिका** शोषक वर्ग का प्रतीक संघर्षशील , जुझारू व छलकपट रहित मानसिक स्थिति के कारण। कमल का छोटा –सा फूल जैसे हर स्थिति में खिला रहता है , वैसे ही शोषित वर्ग भी हर स्थिति में खुश रहता है।	1 1 1 1 1
10		**प्रसंग व संदर्भ** – लेखक –धर्मवीर भारती , पाठ– काले मेघा पानी दे **व्याख्या** – देश में फैले अंधविश्वास , पाखंड व भ्रष्टाचार पर व्यंग्य। **विशष** – व्यंग्यात्मक शैली, ततसम व तद्भव शब्दावली, भाषा सहज। **अथवा**	1 3 1
	(i) **(ii)** **(iii)** **(iv)**	लेखक – डॉ॰ भीमराव आंबेडकर , पाठ– श्रम विभाजन और जाति प्रथा जिस भाईचारे में न तो कोई बंधंन हो ,न जड़ता और न ही रूढ़िवादिता हो। हमें व्यक्तियों की क्षमता ऐसी करनी चाहिए कि वह अपना पेशा या कार्य स्वयं चुन सकने में समर्थ हो।	1 1 1 1

Downloaded from cclchapter.com

	(v)	लोगों में परस्पर निर्बाध संपर्क , सहभागिता और सबकी रक्षा करने की जागरूकता हो। मनुष्य की व्यक्तिगत रुचि , क्षमता व उसकी सोच पर श्रम विभाजन हो।	1
11	**(क) और (ख)** **(ग)** **(घ)**	• आरम्भ • विषय वस्तु • प्रस्तुति • भाषा विद्यार्थियों के दिए गए उत्तरानुसार अपने विवके से मूल्यांकन करें यह चित्र रेलवे प्लेटफार्म का है। जिसमें एक गाड़ी खड़ी है। गाड़ी के अंदर यात्री बैठे हुए हैं। दो कुली सिर पर सामान रखकर हाथ में अटैची पकड़े चल रहे हैं। जिस व्यक्ति का सामान है वह उनके साथ चल रहा है। एक बच्चा हाथ में अखबार लिए बेचने के लिए घूम रहा है। दूसरी तरफ एक बच्चा अपनी बूट-पॉलिश की दुकान लगाए बैठा है। एक व्यक्ति हाथ में समाचार पत्र लिए पढ़-रहा है। बच्चा उनके जूते की पॉलिश कर रहा है। किनारे पर एक कूड़ेदान रखा हुआ है, लेकिन कूड़ा चारों ओर फैला हुआ है। सरकार की ओर से साफ़ सफ़ाई-की ओर ध्यान दिया जाता है। मगर जब तक प्रत्येक नागरिक अपना कर्तव्य नही निभाएँगे तब तक सभी प्रयत्न विफल होते रहेंगे।	1 2 1 1 5 5
12	**(i)** **(ii)**	• बाल–सुलभ इच्छाओं व उमंगों का जीवंत चित्रण। • वर्षा ऋतु के बाद आने वाले प्राकृतिक बदलावों की अभिव्यक्ति। • बच्चों के उत्साह व कल्पनाओं का मनोरमी चित्रण। • बाल क्रियाकलापों में नीडरता व जुझारूपन जैसे गुणों का समावेश। • भोर का आकाश व राख से लीपा गया चौका की तीनों विशेषताओं – रंग , नमी और शुद्धता का मिलना। • भोरकालीन आकाश और रसोईघर की पवित्रता का समान गुण।	3 2
13	**(i)** **(ii)**	• परिश्रमी • महान् सेविका • बुद्धिमती • जिद्दी / हठीली • इस कथन की सत्यता नारियल के उदाहरण में निहित है – बाहर से कठोर व अंदर से कोमल। • शिरीष का फूल भी अपनी सरसता को बनाए रखने के लिए बाहर से कठोर हो जाता है।	3 2

Downloaded from cclchapter.com

14	**(i)** **(ii)**	• अपने प्रति बच्चों का प्रेम बनाए रखने के लिए माता का कोमल मन। • सयुंक्त परिवार में दबाई इच्छाओं का पूरा करने की चाह। • यशोधर बाबू के समय के साथ न ढ़लने का कारण– पुरातनपंथी होना व अपने आदर्श किशनदा के विचारों का प्रभाव। • गंदे पानी के निकास की उचित व्यवस्था – स्नानघर व घर का गदा पानी बाहर एक हौदी में इक्ठठा करना। • हौदियों का पानी फिर पक्की ईंटों से बनी नालियों में गिरकर बाहर तालाबों में गिर जाना।	3 2
15	**(i)** **(ii)**	श्लेष अलंकार – काव्य में जब किसी शब्द का एक बार प्रयोग होने पर एकाधिक अर्थ निकलें , तब वहाँ श्लेष अलंकार होता है। जैसे– मधुबन की छाती को देखो, सूखी कितनी इसकी कलियाँ। स्वर संधि – दो स्वरों का विकार सहित मेल स्वर संधि कहलाता है। जैसे – विद्यालय = विद्या + आलय।	3 2
16	**(i)** **(ii)**	• स्वच्छ रहने से आसपास का वातावरण खुशनुमा रहता है। • स्वच्छता से नित्य कर्मों को करने में आसानी रहती है। • स्वच्छता ही मानव को स्वस्थ रखने में सहायक होता है। • संसार दुःखों का घर है। • मनुष्य की तृष्णा और लालसा दुःखों का मूल कारण है। • अष्टमार्ग इच्छाओं पर विजय प्राप्त करने का सरल उपाय है।	3 2

Downloaded from cclchapter.com